

11/14/22

उपरोक्त पत्रादि हरे। कर्नाट प्रार्थी उपाय
नर नर रवेरान्न किण्व पाकर स्वामी
विशेषतः यत्किं कृपा मे पावन किण्व
नियुक्त हो। या. पत्र के आशुन कर्मवृत्ति
कोप नरें एत मे या. पत्र स्वार्थेन विचार
प्राप्त हो। उक्त मन्त्रल सुम्न होकर नर
कर्नाट कर्नाट कर्नाट कर्नाट हो।

(M)
उपस्थान्त अधिकारी
कालावाड़